>

Title: Shortage of DAP fertilizer in Sabarkantha Parliamentary Constituency of Gujarat.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): सभापति महोदया, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

सभापति महोदया, कृषि उत्पादन में उर्वरक की आपूर्ति बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। यूरिया, डी.ए.पी. जैसे महत्व के खाद उर्वरकों की आपूर्ति समुचित ढ़ंग से नहीं होने के कारण खेतीबाड़ी को काफी नुकसान पहुंचा है। केन्द्र सरकार खाद उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी-बड़ी बातें करती है, परन्तु गुजरात में जहां कृषि विकास दर 10.8 प्रतिशत तक रहती है, जो अन्य राज्यों से ज्यादा है। वहां पर डी.ए.पी. खाद की मांग 2,90,000 मीट्रिक टन के सामने केवल 1,75,514 मीट्रिक टन एवं यूरिया की मांग 4,15,000 मीट्रिक थी, जबकि आपूर्ति सिर्फ 3,39,600 मीट्रिक टन हुई। किसानों को कृषि उत्पादन के लिए जरूरी खाद की आपूर्ति में कमी से किसानों पर अन्याय हो रहा है।

केन्द्र सरकार सांसदों को पत्र लिखकर बताती है कि खाद की आपूर्ति में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं होगी, लेकिन आज देखा जाये तो उर्वरक की कमी से किसान परेशान हैं। मेरा संसदीय क्षेत्र साबरकांठा (गुजरात) आदिवासी, दलित एवं आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोगों का क्षेत्र है। वे कृषि एवं पशुपालन आधारित जीवनयापन कर रहे हैं। पूरा क्षेत्र बिखरा व पिछड़ा हुआ है। अभी बुआई का वक्त चल रहा है। किसान एवं महिलाएं उर्वरक की एक थैली प्राप्त करने के लिए लाइन में खड़े रहते हैं, लेकिन खाद न मिलने पर उन्हें निराश होकर खाली हाथ घर लौटना पड़ता है। कभी-कभी लाइन में खड़े किसानों पर पुलिस लाठीचार्ज भी करती है। किसान हैरान-परेशान और मुसीबत में है।

महोदया, मेरा सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र साबरकांठा के किसानों को उनकी मांग के आधार पर उर्वरक की कमी को त्वरित पूर्ण किया जाये। धन्यवाद।